ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110014141 Date: 11/12/2020

Ramesh Bajpai

27 Aug 1956 07:50 AM

Rai Bareilly

Ramesh Bajpai

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110014141 Date: 11/12/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **27/08/1956**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	: **07:50:00 ांटे**
इष्ट	: 05:18:30 घटी
स्थान	: **Rai Bareilly**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 26:16:00 उत्तर
रेखांश	: 81:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:04:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 07:45:04 घंटे
वेलान्तर	: -00:01:31 घंटे
साम्पातिक काल	: 06:06:15 घंटे
सूर्योदय	: 05:42:36 घंटे
सूर्यास्त	: 18:29:53 घंटे
दिनमान	: 12:47:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 10:31:31 सिंह
लग्न के अंश	: 08:08:58 कन्या

चैत्रादि संवत / शक	: 2013 / 1878
मास	: भाद्रपद
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 6
तिथि समाप्ति काल	: 23:02:42
जन्म तिथि	: 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल	: 29:26:17 घंटे
जन्म नक्षत्र	: भरणी
सूर्योदय कालीन योग	: वृद्धि
योग समाप्ति काल	: 10:05:53 घंटे
जन्म योग	: वृद्धि
सूर्योदय कालीन करण	: गर
करण समाप्ति काल	: 11:13:15 घंटे
जन्म करण	: गर
भयात	: 06:50:20
भभोग	: 60:51:03
भोग्य दशा काल	: शुक्र 17 वर्ष 9 मा 8 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कन्या – बुध
राशि–स्वामी	: **मेष – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **भरणी – 1**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: वृद्धि
करण	: गर
गण	: मनुष्य
योनि	: गज
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: मृग
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: ली–लीलाधर
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ात चक्र	
मास	: कार्तिक
तिथि	: 1-6-11
दिन	: रविवार
नक्षत्र	: मघा
योग	: विष्कुम्भ
करण	: बव
प्रहर	: 1
वर्ग	: सिंह
लग्न	: मेष
सूर्य	: कर्क
चन्द्र	: मेष
मंगल	: सिंह
बुध	: वृष
गुरु	: कन्या
शुक्र	: तुला
शनि	: मिथुन
राहु	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	08:08:58	324:05:01	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	———
सूर्य			सिंह	10:31:31	00:57:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	14:49:06	13:02:33	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	28:39:05	00:12:12	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कन्या	07:20:55	01:07:14	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	उच्च राशि
गुरु		अ	सिंह	16:58:21	00:12:58	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	24:46:53	00:55:32	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	03:30:36	00:02:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	10:02:54	00:02:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	10:02:54	00:02:20	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
हर्ष			कर्क	11:17:54	00:03:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	———
नेप			तुला	05:00:31	00:01:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	———
प्लूटो			सिंह	05:13:22	00:01:57	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	———
दशम भाव			मिथु	08:10:48	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:22

लग्न–चलित

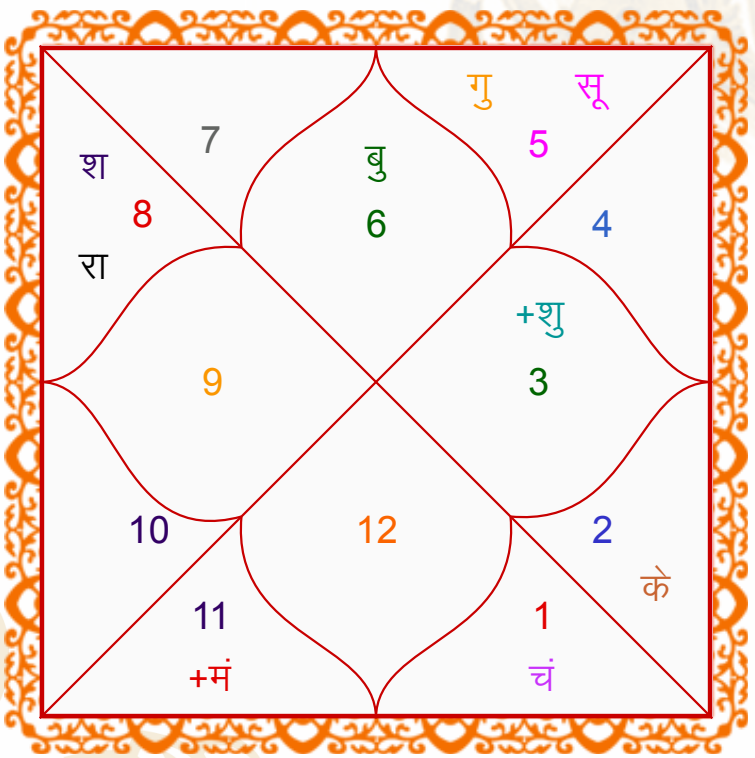

चन्द्र कुंडली

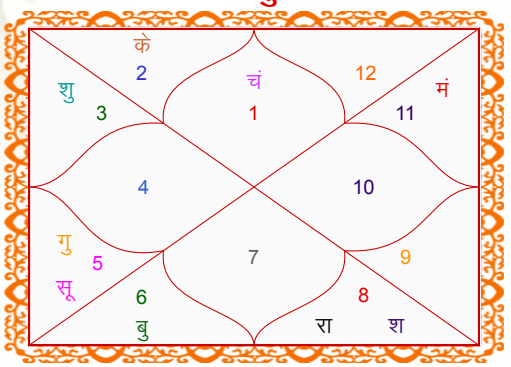

नवमांश कुंडली

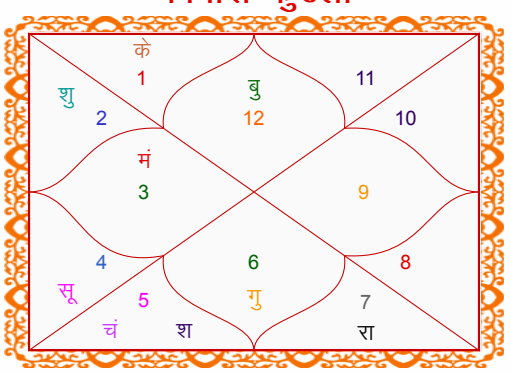

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	20	54	50	57	46	31	55
सप्तवर्गज बल	113	79	69	129	105	109	54
ओजयुग्मक बल	15	0	30	0	15	15	15
केन्द्र बल	15	30	15	60	15	60	15
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	15	0
कुल स्थान बल	162	163	164	247	181	229	140
कुल दिग्बल	39	18	27	60	53	6	18
नतोन्नत बल	39	21	21	60	39	39	21
पक्ष बल	21	77	21	39	39	39	21
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	87	11	26	30	40	59	55
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	147	185	69	189	252	136	98
कुल चेष्टाबल	0	0	57	36	1	38	27
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-10	5	10	-5	-13	-13	13
कुल षट्बल	398	422	344	552	509	439	305
रूप षट्बल	6.6	7.0	5.7	9.2	8.5	7.3	5.1
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.3	1.2	1.1	1.3	1.3	1.3	1.0
संबंधित पद	2	5	6	3	4	1	7

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	27.71	45.61	53.32	45.23	8.01	34.06	38.79
कष्ट फल	29.23	11.40	5.43	7.89	28.63	25.52	12.17

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	552	439	344	509	305	305	509	344	439	552	422	398
भावदिग्बल	60	50	20	30	10	10	30	40	50	30	10	40
भावदृष्टि बल	-5	15	51	83	69	30	97	70	54	-3	-2	-9
कुल भाव बल	607	504	415	622	384	345	636	454	543	579	429	429
रूप भाव बल	10.1	8.4	6.9	10.4	6.4	5.7	10.6	7.6	9.1	9.6	7.2	7.1
संबंधित पद	3	6	10	2	11	12	1	7	5	4	8	9

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

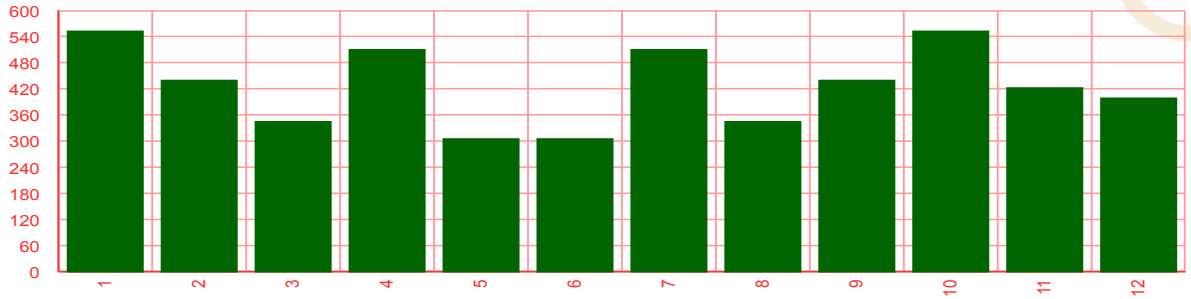

भावदिग्बल

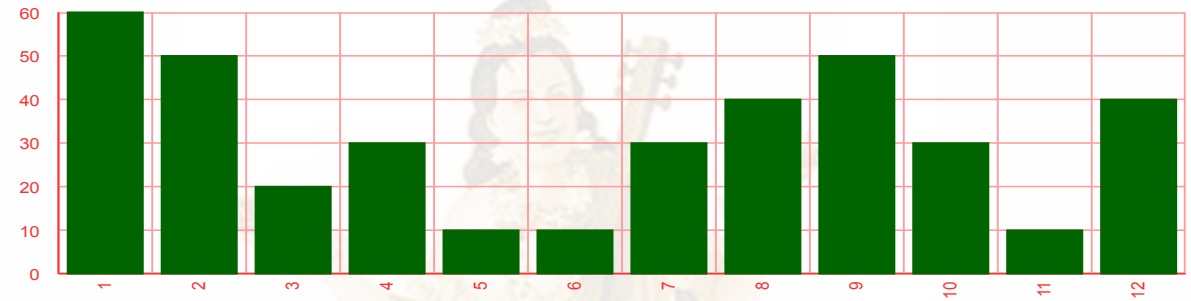

भावदृष्टि बल

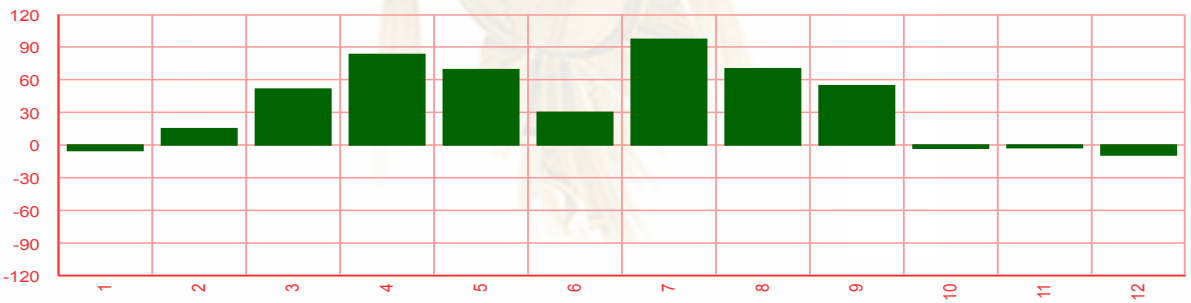

भाव बल

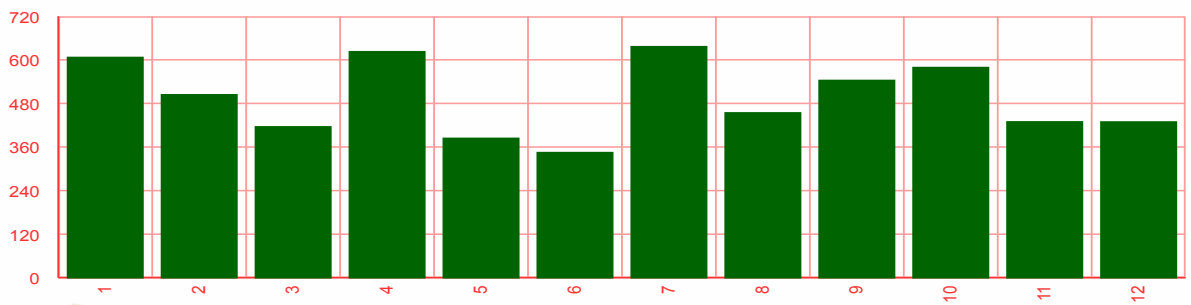

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 9 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष	
27/08/1956	
05/06/1974	
शुक्र	05/10/1957
सूर्य	05/10/1958
चंद्र	05/06/1960
मंगल	05/08/1961
राहु	05/08/1964
गुरु	06/04/1967
शनि	05/06/1970
बुध	05/04/1973
केतु	05/06/1974

सूर्य 6 वर्ष	
05/06/1974	
05/06/1980	
सूर्य	23/09/1974
चंद्र	24/03/1975
मंगल	30/07/1975
राहु	23/06/1976
गुरु	11/04/1977
शनि	24/03/1978
बुध	29/01/1979
केतु	06/06/1979
शुक्र	05/06/1980

चंद्र 10 वर्ष	
05/06/1980	
05/06/1990	
चंद्र	05/04/1981
मंगल	04/11/1981
राहु	06/05/1983
गुरु	04/09/1984
शनि	05/04/1986
बुध	05/09/1987
केतु	05/04/1988
शुक्र	05/12/1989
सूर्य	05/06/1990

मंगल 7 वर्ष	
05/06/1990	
05/06/1997	
मंगल	01/11/1990
राहु	20/11/1991
गुरु	26/10/1992
शनि	05/12/1993
बुध	02/12/1994
केतु	30/04/1995
शुक्र	29/06/1996
सूर्य	04/11/1996
चंद्र	05/06/1997

राहु 18 वर्ष	
05/06/1997	
06/06/2015	
राहु	16/02/2000
गुरु	12/07/2002
शनि	18/05/2005
बुध	05/12/2007
केतु	23/12/2008
शुक्र	23/12/2011
सूर्य	16/11/2012
चंद्र	18/05/2014
मंगल	06/06/2015

गुरु 16 वर्ष	
06/06/2015	
06/06/2031	
गुरु	24/07/2017
शनि	04/02/2020
बुध	12/05/2022
केतु	18/04/2023
शुक्र	17/12/2025
सूर्य	05/10/2026
चंद्र	04/02/2028
मंगल	10/01/2029
राहु	06/06/2031

शनि 19 वर्ष	
06/06/2031	
05/06/2050	
शनि	08/06/2034
बुध	15/02/2037
केतु	27/03/2038
शुक्र	27/05/2041
सूर्य	09/05/2042
चंद्र	08/12/2043
मंगल	16/01/2045
राहु	23/11/2047
गुरु	05/06/2050

बुध 17 वर्ष	
05/06/2050	
06/06/2067	
बुध	01/11/2052
केतु	29/10/2053
शुक्र	29/08/2056
सूर्य	05/07/2057
चंद्र	05/12/2058
मंगल	02/12/2059
राहु	20/06/2062
गुरु	25/09/2064
शनि	06/06/2067

केतु 7 वर्ष	
06/06/2067	
05/06/2074	
केतु	02/11/2067
शुक्र	01/01/2069
सूर्य	09/05/2069
चंद्र	08/12/2069
मंगल	06/05/2070
राहु	24/05/2071
गुरु	29/04/2072
शनि	08/06/2073
बुध	05/06/2074

शुक्र 20 वर्ष	
05/06/2074	
00/00/0000	
शुक्र	27/08/2076
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - बुध	
04/02/2020	
12/05/2022	
बुध	31/05/2020
केतु	19/07/2020
शुक्र	04/12/2020
सूर्य	14/01/2021
चंद्र	24/03/2021
मंगल	11/05/2021
राहु	12/09/2021
गुरु	01/01/2022
शनि	12/05/2022

गुरु - केतु	
12/05/2022	
18/04/2023	
केतु	01/06/2022
शुक्र	28/07/2022
सूर्य	14/08/2022
चंद्र	11/09/2022
मंगल	01/10/2022
राहु	21/11/2022
गुरु	06/01/2023
शनि	01/03/2023
बुध	18/04/2023

गुरु - शुक्र	
18/04/2023	
17/12/2025	
शुक्र	27/09/2023
सूर्य	15/11/2023
चंद्र	04/02/2024
मंगल	01/04/2024
राहु	25/08/2024
गुरु	02/01/2025
शनि	05/06/2025
बुध	21/10/2025
केतु	17/12/2025

गुरु - सूर्य	
17/12/2025	
05/10/2026	
सूर्य	31/12/2025
चंद्र	25/01/2026
मंगल	11/02/2026
राहु	27/03/2026
गुरु	05/05/2026
शनि	20/06/2026
बुध	31/07/2026
केतु	17/08/2026
शुक्र	05/10/2026

गुरु - चंद्र	
05/10/2026	
04/02/2028	
चंद्र	15/11/2026
मंगल	13/12/2026
राहु	24/02/2027
गुरु	30/04/2027
शनि	16/07/2027
बुध	23/09/2027
केतु	22/10/2027
शुक्र	11/01/2028
सूर्य	04/02/2028

गुरु - मंगल	
04/02/2028	
10/01/2029	
मंगल	24/02/2028
राहु	15/04/2028
गुरु	31/05/2028
शनि	23/07/2028
बुध	10/09/2028
केतु	30/09/2028
शुक्र	25/11/2028
सूर्य	13/12/2028
चंद्र	10/01/2029

गुरु - राहु	
10/01/2029	
06/06/2031	
राहु	21/05/2029
गुरु	15/09/2029
शनि	01/02/2030
बुध	05/06/2030
केतु	26/07/2030
शुक्र	20/12/2030
सूर्य	01/02/2031
चंद्र	15/04/2031
मंगल	06/06/2031

शनि - शनि	
06/06/2031	
08/06/2034	
शनि	27/11/2031
बुध	30/04/2032
केतु	03/07/2032
शुक्र	02/01/2033
सूर्य	26/02/2033
चंद्र	29/05/2033
मंगल	01/08/2033
राहु	13/01/2034
गुरु	08/06/2034

शनि - बुध	
08/06/2034	
15/02/2037	
बुध	26/10/2034
केतु	22/12/2034
शुक्र	04/06/2035
सूर्य	23/07/2035
चंद्र	13/10/2035
मंगल	09/12/2035
राहु	05/05/2036
गुरु	13/09/2036
शनि	15/02/2037

शनि - केतु	
15/02/2037	
27/03/2038	
केतु	11/03/2037
शुक्र	18/05/2037
सूर्य	07/06/2037
चंद्र	11/07/2037
मंगल	03/08/2037
राहु	03/10/2037
गुरु	26/11/2037
शनि	29/01/2038
बुध	27/03/2038

शनि - शुक्र	
27/03/2038	
27/05/2041	
शुक्र	06/10/2038
सूर्य	03/12/2038
चंद्र	09/03/2039
मंगल	16/05/2039
राहु	05/11/2039
गुरु	07/04/2040
शनि	08/10/2040
बुध	20/03/2041
केतु	27/05/2041

शनि - सूर्य	
27/05/2041	
09/05/2042	
सूर्य	13/06/2041
चंद्र	12/07/2041
मंगल	01/08/2041
राहु	22/09/2041
गुरु	08/11/2041
शनि	02/01/2042
बुध	20/02/2042
केतु	12/03/2042
शुक्र	09/05/2042

शनि - चंद्र	
09/05/2042	
08/12/2043	
चंद्र	26/06/2042
मंगल	30/07/2042
राहु	25/10/2042
गुरु	10/01/2043
शनि	11/04/2043
बुध	02/07/2043
केतु	05/08/2043
शुक्र	09/11/2043
सूर्य	08/12/2043

शनि - मंगल	
08/12/2043	
16/01/2045	
मंगल	01/01/2044
राहु	02/03/2044
गुरु	25/04/2044
शनि	28/06/2044
बुध	24/08/2044
केतु	17/09/2044
शुक्र	23/11/2044
सूर्य	13/12/2044
चंद्र	16/01/2045

शनि - राहु	
16/01/2045	
23/11/2047	
राहु	21/06/2045
गुरु	07/11/2045
शनि	21/04/2046
बुध	15/09/2046
केतु	15/11/2046
शुक्र	07/05/2047
सूर्य	29/06/2047
चंद्र	23/09/2047
मंगल	23/11/2047

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - गुरु	
23/11/2047	
05/06/2050	
गुरु	25/03/2048
शनि	19/08/2048
बुध	28/12/2048
केतु	20/02/2049
शुक्र	24/07/2049
सूर्य	08/09/2049
चंद्र	25/11/2049
मंगल	17/01/2050
राहु	05/06/2050

बुध - बुध	
05/06/2050	
01/11/2052	
बुध	08/10/2050
केतु	28/11/2050
शुक्र	24/04/2051
सूर्य	07/06/2051
चंद्र	19/08/2051
मंगल	09/10/2051
राहु	18/02/2052
गुरु	15/06/2052
शनि	01/11/2052

बुध - केतु	
01/11/2052	
29/10/2053	
केतु	22/11/2052
शुक्र	21/01/2053
सूर्य	09/02/2053
चंद्र	11/03/2053
मंगल	01/04/2053
राहु	25/05/2053
गुरु	12/07/2053
शनि	08/09/2053
बुध	29/10/2053

बुध - शुक्र	
29/10/2053	
29/08/2056	
शुक्र	20/04/2054
सूर्य	10/06/2054
चंद्र	05/09/2054
मंगल	04/11/2054
राहु	08/04/2055
गुरु	24/08/2055
शनि	04/02/2056
बुध	30/06/2056
केतु	29/08/2056

बुध - सूर्य	
29/08/2056	
05/07/2057	
सूर्य	14/09/2056
चंद्र	09/10/2056
मंगल	28/10/2056
राहु	13/12/2056
गुरु	23/01/2057
शनि	14/03/2057
बुध	27/04/2057
केतु	15/05/2057
शुक्र	05/07/2057

बुध - चंद्र	
05/07/2057	
05/12/2058	
चंद्र	18/08/2057
मंगल	17/09/2057
राहु	03/12/2057
गुरु	10/02/2058
शनि	03/05/2058
बुध	16/07/2058
केतु	15/08/2058
शुक्र	09/11/2058
सूर्य	05/12/2058

बुध - मंगल	
05/12/2058	
02/12/2059	
मंगल	26/12/2058
राहु	18/02/2059
गुरु	08/04/2059
शनि	04/06/2059
बुध	25/07/2059
केतु	15/08/2059
शुक्र	15/10/2059
सूर्य	02/11/2059
चंद्र	02/12/2059

बुध - राहु	
02/12/2059	
20/06/2062	
राहु	20/04/2060
गुरु	22/08/2060
शनि	16/01/2061
बुध	28/05/2061
केतु	22/07/2061
शुक्र	24/12/2061
सूर्य	09/02/2062
चंद्र	27/04/2062
मंगल	20/06/2062

बुध - गुरु	
20/06/2062	
25/09/2064	
गुरु	09/10/2062
शनि	17/02/2063
बुध	14/06/2063
केतु	02/08/2063
शुक्र	18/12/2063
सूर्य	28/01/2064
चंद्र	06/04/2064
मंगल	24/05/2064
राहु	25/09/2064

बुध - शनि	
25/09/2064	
06/06/2067	
शनि	28/02/2065
बुध	17/07/2065
केतु	13/09/2065
शुक्र	24/02/2066
सूर्य	14/04/2066
चंद्र	05/07/2066
मंगल	31/08/2066
राहु	25/01/2067
गुरु	06/06/2067

केतु - केतु	
06/06/2067	
02/11/2067	
केतु	14/06/2067
शुक्र	09/07/2067
सूर्य	17/07/2067
चंद्र	29/07/2067
मंगल	07/08/2067
राहु	29/08/2067
गुरु	18/09/2067
शनि	12/10/2067
बुध	02/11/2067

केतु - शुक्र	
02/11/2067	
01/01/2069	
शुक्र	12/01/2068
सूर्य	02/02/2068
चंद्र	09/03/2068
मंगल	02/04/2068
राहु	05/06/2068
गुरु	01/08/2068
शनि	08/10/2068
बुध	07/12/2068
केतु	01/01/2069

केतु - सूर्य	
01/01/2069	
09/05/2069	
सूर्य	07/01/2069
चंद्र	18/01/2069
मंगल	25/01/2069
राहु	13/02/2069
गुरु	03/03/2069
शनि	23/03/2069
बुध	10/04/2069
केतु	17/04/2069
शुक्र	09/05/2069

केतु - चंद्र	
09/05/2069	
08/12/2069	
चंद्र	26/05/2069
मंगल	08/06/2069
राहु	10/07/2069
गुरु	07/08/2069
शनि	10/09/2069
बुध	10/10/2069
केतु	23/10/2069
शुक्र	27/11/2069
सूर्य	08/12/2069

केतु - मंगल	
08/12/2069	
06/05/2070	
मंगल	16/12/2069
राहु	08/01/2070
गुरु	28/01/2070
शनि	20/02/2070
बुध	13/03/2070
केतु	22/03/2070
शुक्र	16/04/2070
सूर्य	23/04/2070
चंद्र	06/05/2070

Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

(Prime Report)

Kiara ID: 1100|4141 Date: 11|12|2020 Fees Validity : 1 Month

नाम: Ramesh Bajpai	जन्म तिथि: 27/08/1956	जन्म समय: 7:50 AM
जन्म स्थान: Rai Bareilly (UP)	मांगलिक योग: No	इष्ट देव: Shani Dev
लग्न: Kanya lagna	राशि: Mesh (Aries)	नक्षत्र: भरणी -1

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Budh (उच्च)	> 50%	Mangal (d)	40%
2.	shukra	25%	Chandra	100%
3.	Guru (अस्त)	50%	Rahu (नीच)(d)	100%
4.			Ketu (नीच)(d)	100%
5.			Surya	50%
6.			Shani	20%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): (1) भद्र नामक पंच महापुरुष योग (Active = 60%)
यदि पन्ना धारण करते हैं तो सूर्य विपरीत राजयोग में आकर अच्छा फल दे सकता है। बुध का षड्बल थोड़ा सा कम होने के कारण सूर्य विपरीत राज में नहीं है।

3. कुण्डली दोष: सूर्यग्रहण योग ! सूर्य को रोजाना जल देने से सूर्य के अच्छे फल मिल सकते है।

4. शुभ दिन: Wednesday, Friday

5. शुभ रंग: (पीला, हरा, सफेद) अशुभ: (काला, नीला), लाल

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना	7+	Right	little	चाँदी में बुधवार को 7:15 AM पर !
2. पुखराज (Mandatory)	7+	left	Index	सोने, पीतल में गुरुवार को 7:15 AM (शुक्लपक्ष)
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. **वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

मूँगा, मोती, नीलम, गोमेद, लहसुनिया, माणिक आदि वर्जित है।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (गूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोड़ लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** शनिदेव : शनिदेव की Placement बदत होने के कारण शनि के कारण रोग बढ़ेंगे।

9. **Comments:** शनि का पाठ पूजन करने से शरीर में रोग कम होते हैं।

क्योंकि : शनिदेव इष्ट देव भी हैं।

☺ गुरु अस्त होने के कारण प्रॉपर्टी से सम्बन्धित विवाद की स्थिति बनती है। क्योंकि गुरु की +ve ways में कमी आ रही है। प्रॉपर्टी, वाहन गुरु से बनता है। & खराब दशा में like शनि, राहु की दशा में प्रॉपर्टी से सम्बन्धित विवाद की स्थिति आती है।

Scanned with CamScanner

Soln: पुखराज रत्न धारण करने से परेशानी समाप्त होगी & प्रॉपर्टी, सुख, सुविधा में बढ़ोत्तरी होती है। & मानसिक परेशानी भी काफी हद तक समाप्त होती है।

☺ चन्द्र 8th भाव में बैठे होने से मानसिक तनाव ज्यादा रहता है। काफी सोचने के कारण तनाव की स्थिति बन जाती है। obstacles in work भी आते हैं। सोमवार को शिवजी पर पानी चढ़ाने व दूध का दान करने से मानसिक परेशानी कम होगी!

☺ शनि का 3rd house में आने से बच्चों के career में संघर्ष बढ़ जाता है। बहुत मेहनत व परेशानी के बाद ही stability आती है। वो भी ना के बराबर!

→ शनि को शान्त करना है। शनि के दान हर अमावस्या को किसी भी समय & हर शनिवार को सूर्यास्त के बाद करना है। — mandatory for childrens growth.

→ सूर्यास्त के बाद शनि मंत्र का जाप — 5 mints Atleast करना है।

& केतु का "अनार रस दान" भी अमावस्या को करना है। —बच्चों को आराम मिलेगा!

Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

10.महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

गुरु की महादशा :	06/06/2015 to 06/06/2031 — अच्छी दशा (Nil). पुखराज रत्न धारण करने में सुख सुविधा में वृद्धि होगी। प्रॉपर्टी बढ़ेगी & विवाद भी समाप्त होंगे (if any).
	गुरु से लाभ लेने के लिए रत्न धारण कर सकते हो या पीले वस्त्र ज्यादा धारण करें!
गुरु/बुध :-	05/02/2020 to 12-5/2022 — अच्छी दशा (good for work)
गुरु/केतु :	13/05/2022 to 18/04/2023 — खराब. केतु के दान Mandatory हैं। & मंत्र जाप
प्रत्यान्तर दशा — खराब चल रही है। ∴ राहु, शनि का दान अवश्य करें! अमावस्या & शनिवार सूर्यास्त के बाद! & केतु का दान "अनार"! अमावस्या & (मंगलवार शाम को सूर्यास्त के बाद)	

Scanned with CamScanner

कुण्डली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: (रविवार को करना है)	रोजाना सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: (सोमवार को करना है)	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: (मंगलवार को करना है)	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: (बुधवार को करना है)	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: (बृहस्पतिवार को करना है)	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले के पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओप्रल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
① शनि देव के उपाय: (शनिवार को करना है) & (बृहस्पति के बाद) अमावश्या के दिन	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
② राहु देव के उपाय: (शनिवार को करना है) & (बृहस्पति के बाद) अमावश्या के दिन	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
③ केतु देव के उपाय: (मंगल, बुधवार को करना है) & अमावश्या के दिन	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ कें केतवे नमः)** (अचार का दान) (बृहस्पति के बाद)

नोट: यदि आपकी कुण्डली शनि, राहु (केतु) के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।
& अचार का दान करना

100% required for children's growth & problems.

Kiara Astrology
KIA B-157, Sector-3 Ranchi-834004

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

सेल्फ मेड डेस्टिनी

सोमवीर सिंह

Available on 10th December 2020

amazon Flipkart SHOPCLUES BlueRose Publishers Kiara